6 एक बूँद कुछ आगे बढ़ी

सूक्ति चिंता, चिता से बढ़कर है। – कहावत

अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

परिचय : अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का जन्म उत्तर प्रदेश के आज़मगढ़ जिले के निज़ामाबाद में 15 अप्रैल, 1865 ई० में हुआ। इन्होंने खड़ी बोली के काव्य को भाव, छंद और अभिव्यंजना से समृद्ध करने में उल्लेखनीय योगदान दिया। इनके प्रमुख ग्रंथ हैं– प्रियप्रवास, वैदेही वनवास और रसकलश। 'प्रियप्रवास' खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य है। ब्रजभाषा और खड़ी बोली पर उनका समान अधिकार था। 16 मार्च, 1947 ई० में इनकी मृत्यु हो गयी।

प्रस्तावना : प्रस्तुत कविता में कवि ने बादल से निकलने वाली जल की एक बूँद की चिंता का चित्रण किया है। अंततः वह बूँद हवा के झोंके से सीप में गिरती है जिससे उसे मोती बनने का अवसर मिलता है।

ज्यों निकलकर बादलों की गोद से
थी अभी एक बूँद कुछ आगे बढ़ी।
सोचने फिर-फिर यही जी में लगी,
आह! क्यों घर छोड़कर मैं यों कढ़ी।

देव! मेरे भाग्य में है क्या बदा,
मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में?
या जलूँगी गिर अँगारे पर किसी,
चू पड़ूँगी या कमल के फूल में।

बह गई उस काल एक ऐसी हवा
वह समुंदर ओर आई अनमनी।
एक सुंदर सीप का मुँह था खुला
वह उसी में जा पड़ी, मोती बनी।

शब्दार्थ – जी–मन/Mind, कढ़ी–निकली/Came out, बदा–लिखा/Destined.

लोग यों ही हैं झिझकते, सोचते
जब कि उनको छोड़ना पड़ता है घर।
किंतु घर को छोड़ना अकसर उन्हें
बूँद लौं कुछ और ही देता है कर।

— अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

शब्दार्थ – झिझकते–संकोच करना/Hesitate, अकसर–प्रायः/Often, लौं–समान/Like.

अभ्यास से सीखें

संकलित अभिव्यक्ति

1. व्याकरणिक शब्द ज्ञान–

(क) शब्दों के अनुस्वार (ं) और अनुनासिक (ँ) खो गए हैं उन्हें कविता की सहायता से ढूँढ़कर लिखिए–

ज्यो – ..... बूद – ..... कितु – ..... मिलूगी – .....
सुदर – ..... अगारे – ..... बादलो – ..... जलूगी – .....
मै – .....

(ख) कविता में कुछ क्रिया-पद आए हैं उनको भाववाचक संज्ञा में बदलिए–

बचना – बचाव झिझकना – ..... सोचना – .....
पड़ना – ..... मिलना – ..... जलना – .....

(ग) पर्यायवाची शब्द लिखिए–

बादल – आकाश समुद्र – ..... घर – .....
फूल – ..... कमल – ..... हवा – .....

(घ) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त शब्द सर्वनाम कहलाते हैं, निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्द रेखांकित करिए–

(*i*) मेरे भाग्य में क्या लिखा है?

(*ii*) उस समय वह हवा में उड़ गई।

(*iii*) उनको घर छोड़ना पड़ता है।

(*iv*) वह सीप में गिर पड़ी।

(*v*) उसे मोती बनने का अवसर मिला।

(ङ) तुकांत लिखिए–

आगे – ..... छोड़ – .....

सोचने – ..... काल – .....

सीप – ..... मोती – .....

घर – ..... कमल – .....

मौखिक

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) बूँद कहाँ से निकलकर आई थी?

(ख) कविता में किससे प्रार्थना की जा रही है?

(ग) बूँद मोती कब बन जाती है?

लिखित

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) बादलों की गोद से निकलकर बूँद व्याकुलता पूर्वक क्या सोच रही थी?

(ख) बूँद ने अपनी व्याकुलता प्रकट करते हुए ईश्वर से क्या प्रार्थना की?

(ग) अचानक कौन-सी घटना घटी?

(घ) बूँद और मनुष्य के विचारों की कौन-सी समानता को प्रकट किया गया है?

(ङ) कविता और कवि का नाम लिखते हुए कविता का सारांश लिखिए।

वैकल्पिक

4. सही उत्तर पर (✓) सही का निशान लगाइए।

(क) बादलों की गोद से क्या निकली?

(*i*) किरण ◯ (*ii*) बूँद ◯ (*iii*) वायु ◯

(ख) बूँद कहाँ मिल जाएगी?

(*i*) सागर में ◯ (*ii*) नदी में ◯ (*iii*) धूल में ◯

(ग) उसी समय क्या हुआ?

(*i*) तेज़ हवा चली ◯ (*ii*) आँधी तूफान आया ◯ (*iii*) अंधेरा हो गया ◯

(घ) किसका मुँह खुला हुआ था?

(*i*) शार्कमछली का ◯ (*ii*) सीप का ◯ (*iii*) कमल का ◯

(ङ) बूँद के रूप में कैसा परिवर्तन आया?

(*i*) बरसात बन गई ◯ (*ii*) बहुत बड़ी बन गई ◯ (*iii*) मोती बन गई ◯

5. कविता की पंक्तियों को पूरा करिए–

बह गई .....

वह ..... ओर आई .....।

एक ..... था खुला

वह उसी में .....।

लोग ..... ही हैं .....

जब ..... घर।

..... उन्हें

बूँद ..... कर।

6. निम्नलिखित भाव वाली पंक्ति लिखिए–

(क) हाय! मैं अपना घर क्यों छोड़ कर क्यों निकल पड़ी।

(ख) वह निराश होकर समुद्र की ओर गई।

(ग) घर से बाहर निकलने पर मनुष्य के मन में अनेक विचार आते हैं।

7. 'भाग्य को बदलने का एकमात्र उपाय परिश्रम है।' इस विषय पर एक लेख लिखिए।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

1. बूँद की भाँति मनुष्य दुविधापूर्ण स्थिति में पड़ जाता है तब उसका व्यवहार तथा कार्य उसे क्या बना देता है? अपनी कल्पना से लिखिए।
2. समुद्री जीवों से भरे समुद्र का दृश्य बना कर सुंदर रंग भरिए।

शिक्षण संकेत – आधुनिक युग के कष्टपूर्ण जीवन की जानकारी देते हुए बाधाओं से लड़ने की शिक्षा देना।